

---

# Naradakritam Surya Stotram 24

——  
नारदकृतं सूर्यस्तोत्रम् २४

——  
Document Information



---

Text title : Naradakritam Surya Stotram 24

File name : nAradakRRitaMsUryastotram24.itx

Category : navagraha, skandapurANa, stotra

Location : doc\_z\_misc\_navagraha

Proofread by : PSA Easwaran

Description/comments : skandapurANa | prabhAsakhaNDa | adhyAya 305/18-21||

Latest update : September 6, 2025

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

September 6, 2025

*sanskritdocuments.org*

---



---

## Naradakritam Surya Stotram 24

---

### नारदकृतं सूर्यस्तोत्रम् २४

---



कृष्णाजिनपरिच्छिन्ने ङ्युपविष्टो वरासने ।  
ऋषितोयातटे रभ्ये प्रतिष्ठाप्य मडामुनिः ॥ १६ ॥

सूर्यस्य प्रतिमां रभ्यां सर्वदारिद्र्यनाशिनीम् ।  
तुष्टाव विविधैः स्तोत्रैरादित्यं तिमिरापहम् ॥ १७ ॥

नमस्ते ऋक्स्वऋपाय साम्नां धामग ते नमः ।  
ज्ञानैकरूपदेहाय निर्धूततमसे नमः ॥ १८ ॥

शुद्धज्योतिःस्वरूपाय निर्भूत्यामलात्मने ।  
वरिष्ठाय वरेण्याय सर्वस्मै परमात्मने ॥ १९ ॥

नमोऽम्बिलजगद्व्यापिस्वरूपानन्दमूर्तये ।  
सर्वकारणभूताय निष्ठायै ज्ञानचेतसाम् ॥ २० ॥

नमः सर्वस्वरूपाय प्रकाशालक्ष्यरूपिणे ।  
भास्कराय नमस्तुभ्यं तथा दिनकृते नमः ॥ २१ ॥

धृश्वर उवाच ।  
येवं संस्तुवतस्तस्य पुरतस्तस्य चेतसा ।  
प्रादुर्भूवुः देवेशि जगद्यक्षुः सनातनः ॥ २२

इति श्रीस्कन्दपुराणे प्रभासाम्बाउडे प्रभासक्षेत्रमाहात्म्ये  
त्र्यधिकत्रिंशत्तमाध्यायान्तर्गतं नारदकृतं सूर्यस्तोत्रं  
समाप्तम् ।

स्कन्दपुराण । प्रभासाम्बाउडे । अध्याय ३०५/१८-२१ ॥

skandapurANa . prabhAsakhaNDA . adhyAya 305/18-21..

Proofread by PSA Easwaran

*Naradakritam Surya Stotram 24*  
pdf was typeset on September 6, 2025

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

